सांध्य दैनिक **4PM**

समाज के लिए छोटी सेवाएं प्रदान करके हम समाज को बदलते हैं। जैसे दही की एक बूंद जब दूध में डाली जाती है तो उसे दही में बदल देती है।

-महात्रिया रा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 205 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 1 सितम्बर, 2025

रोहित ब्रोंको और यो-यो टेस्ट... 7 | धरातल में रुपया, आसमान पे... 3 | अपने ऊपर निर्भरता बढ़वा रहा... 2

वोटर अधिकार यात्रा से बदलेगा बिहार!

जनता ने दिया महागठबंधन को भरपूर समर्थन, उमड़ा अपार जनसमूह

» विपक्ष का एनडीए सरकार पर करारा प्रहार

» आज समाप्त हो गई यात्रा

» राहुल गांधी, खरगे व तेजस्वी ने वोट चोरी पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 17 अगस्त से बिहार में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा का समापन आज पटना में डाकबंगला चौराहे पर हुआ। राहुल गांधी के साथ राष्ट्रीय स्तर के कई नेता पटना में जुटे। विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाकर चुनाव आयोग, बिहार और केंद्र सरकार पर हमला बोला।

नेता प्रतिपक्ष, कांग्रेस अध्यक्ष व राजद नेता तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि आने वाले विधान सभा चुनाव में बिहार की जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के बाद हेमंत सोरेन अभिवादन करते हुए अपना संबोधन शुरू किया और मुकेश सहनी और क्रि केटर युसुफ पठान को बड़ा भाई कहकर संबोधित किया।

वोट चोरी करने वाले पकड़े गए : सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह चुनाव बिहार नहीं, देश को बचाने का अवसर है। षडयंत्रकारियों के खिलाफ बड़ा आंदोलन करना है। इन्होंने मुझे भी जेल में डाल दिया थ। बिहार की ऐतिहासिक धरती से आग्रह है कि जिस तरह से वोटर रिवीजन का काम किया है, लेकिन यह विशेष और गहन- दोनों को जोड़कर पुनरीक्षण कराया गया है और यह गलत है। साजिश है। आज यह वोट चोरी करने वाले पकड़े गए हैं। आज हम इसका पर्दाफाश कर रहे हैं। ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करने वाले चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को बर्बाद कर रहे हैं।

भाजपाई लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहते हैं : तेजस्वी

आदाब, प्रणाम और सलाम करते हुए तेजस्वी ने कहा कि यह बिहार की धरती है, लोकतंत्र की जननी है। यह कुछ, कुछ भी नहीं दो भाजपाई लोग चुनाव आयोग के साथ मिलकर लोकतंत्र की धरती से लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहते हैं। लोकतंत्र चाहिए या राजतंत्र चाहिए? यह लोग चाहते हैं कि बिहारी लोग को ठग लें। फैक्टरी लगाएंगे गुजरात में और वोट चाहिए बिहार में! हमारे मुख्यमंत्री इतनी बार पलटी मारे हैं कि इनका दिमाग चकरा गया है।

सतर्क नहीं रहे तो मोदी-शाह डुबो देंगे देश : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित करते हुए कहा कि इस 15 दिन की यात्रा पूरे देश में चर्चा चली। भाजपा ने इसमें रुकावट डालने की पूरी कोशिश की। गठबंधन के लोग राहुल जी या तेजस्वी जी नहीं डरे। वोट चोरी करने वाले पैसा चोरी करने की भी आदत रखते हैं। बैंक से चोरी कर बाहर जाने वालों को भी यह संभालते हैं। मोदी जी बिहार में वोट चोरी कराकर जीतना चाहते हैं। सतर्क नहीं रहेंगे तो यह मोदी और शाह आपको डुबा देंगे। आजादी के बाद जो वोट का अधिकार दिलाया गया, उसे खोना नहीं। यह महात्मा गांधी, आंबेडकर और नेहरु जी ने अधिकार दिया है।

भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं सीएम नीतीश कुमार

एक इंजन अपराध और एक भ्रष्टाचार में लगा है। अपना वोट कटने नहीं देना है। बड़ी चालाकी से फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। इस सरकार को आने वाले चुनाव में उखाड़ फेंकना है। भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं सीएम नीतीश कुमार।

मंत्रीजी के यहां सुबह शाम जाते हैं। और, उनके विभाग के इंजीनियर पकड़े जाते हैं तो रुपए जला दिए जाते हैं। करोड़ों-अरबों जला दिए जा रहे हैं। यह नकलची सरकार है। हम जो कहते हैं, वह यह करने लगती है। यह सरकार नकल तो कर सकती है, विजन नहीं ला सकती है। तेजस्वी आगे-आगे और यह सरकार पीछे-पीछे। डुप्लीकेट सीएम चाहिए कि ओरिजनल सीएम चाहिए। अभी तो डुप्लीकेट सीएम का राज चल रहा है। हमलोग एफआईआर वगैरह से डरने वाले नहीं हैं। लालू प्रसाद की औलाद हैं। कृष्ण के वंशज हैं, जिनका जन्म ही जेल में हुआ था। लालूजी का खून तेजस्वी के अंदर है। मोदीजी झूठ बोलने की फैक्टरी हैं। इंडस्ट्री हैं, डिस्ट्रीब्यूटर हैं, होल सेलर हैं। वोट की चोरी करने वालों को उखाड़ फेंकना है।

देश जानता है लोकतंत्र के असली हत्यारे कौन हैं : सम्राट चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश में लोकतंत्र स्थापित है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कल्याणकारी कार्य कर रही है। चौधरी ने एएनआई से कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार 11 वर्षों से चल रही है, पूरे देश में लोकतंत्र स्थापित हुआ है, यह जनता की सरकार है और लोगों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हालिया विवादास्पद टिप्पणी को लेकर विपक्ष की आलोचना की

और पूछा कि क्या वे अपने द्वारा शुरू किए गए गाली-गलौज और अपमान अभियान के लिए माफ़ी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर माफ़ी नहीं मांगता है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी लगातार लोगों को न्याय दिला रहे हैं... मैं महागठबंधन के लोगों से पूछना चाहता हूँ क्या आप इस गाली-गलौज और अपमान अभियान को शुरू करने के लिए माफ़ी मांगेंगे? अगर नहीं, तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे।

आज मोदी सरकार के श्राद्ध की तिथि तय होगी : राजद

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने एनडीए सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला। इनकम टैक्स चौराहे पर राजद कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन कर रहे उदय नारायण चौधरी ने कहा कि आज वोट अधिकार यात्रा का समापन नहीं है। आज राहुल और तेजस्वी मोदी सरकार के श्राद्ध की तिथि तय करेंगे। मोदी सरकार को इस बार गद्दी छोड़नी ही होगी। काले कारनामों की पोल अब खुल चुकी है।

वोटर अधिकार यात्रा को डाक बंगला चौराहे पर रोकने का प्रयास

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ गांधी मूर्ति से पदयात्रा पर निकले। वह पटना हाईकोर्ट स्थित अम्बेडकर मूर्ति तक जा रहे थे लेकिन डाक बंगला चौराहे पर रोक लिया गया। प्रशासन ने कहा कि यही तक यात्रा की अनुमति थी। इसके बाद वही पर सभी नेता रुक गए। यहां पर स्टेज बनाया गया है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपकर भट्टाचार्य समेत कई नेता मंच पर पहुंच चुके हैं।

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम आदेश

» 1 सितंबर के बाद भी वोटर लिस्ट में सुधार पर रोक नहीं

» पैरा लीगल वॉलेंटियर्स की नियुक्ति की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार एसआईआर मामले मे राष्ट्रीय जनता दल और बाकियों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश दिया है।

अब 1 सितंबर के बाद भी आपत्तियां स्वीकार की जाएगी। जिन लोगों के नाम लिस्ट में नहीं है उनकी मदद के लिए वॉलंटियर्स नियुक्त होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों और हटाए गए मतदाताओं को दावे दायर करने में मदद के लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स नियुक्त किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह व्यक्तियों, दलों को दावे और आपत्तियां दर्ज करने में मदद करने के लिए पैरा लीगल वॉलेंटियर्स की नियुक्ति करे।

राजनीतिक दल खुद को सक्रिय करें

शीर्ष अदालत ने बिहार एसआईआर को लेकर फैले भ्रम को काफी हद तक विश्वास का मामला बताते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि प्रकाशित मसौदा सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे। कोर्ट ने राजनीतिक दलों से भी खुद को सक्रिय करने को कहा।

जब तक राहुल गांधी हैं संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित : पप्पू यादव

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तारीफ करते हुए पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को कहा कि जब तक कांग्रेस सांसद हैं, संविधान सुरक्षित रहेगा। बिहार ने एक नया मोड़ लिया है और राज्य में बदलाव की आवाज गूंज रही है। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में बदलाव की आवाज गूंज रही है, जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान सुरक्षित है, लोकतंत्र सुरक्षित है, जनता सुरक्षित है और देश सुरक्षित है। राहुल गांधी ने लोगों के अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी ली है और लोगों को उन पर पूरा भरोसा है। पप्पू यादव ने कहा कि इसलिए, बिहार और देश के अधिकारों की रक्षा के लिए राहुल गांधी ने जो यात्रा शुरू की है, आज पूरा बिहार, इंडिया गठबंधन के नेता और देश के युवा उनकी ओर विश्वास से देख रहे हैं। बिहार के युवा और गरीब पूरी तरह से राहुल गांधी के साथ खड़े हैं।

अपने ऊपर निर्भरता बढ़वा रहा है चीन: अखिलेश

» चाइना के उत्पाद से पटेंगे बाजार, बोले- देश और प्रदेश में बढ़ेगी बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर मोदी सरकार पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता जिस तरह बढ़ती जा रही है, उससे हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों पर खराब असर पड़ रहा है। बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा और इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपा नेता मजबूर हो जाएंगे। चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा फिर मनमाने दाम पर हर चीज की सप्लाई करेगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि अगर ये बात ड्रोन वालों को समझ नहीं आ रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बस देश का क्षेत्रफल बता दे। यह बता दे कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गई है।

अब बेरोजगार बिहार से नहीं करेंगे पलायन

सपा नेता ने बिहार के युवाओं का आह्वान किया और कहा कि बेरोजगार अब बिहार से बाहर नहीं जाएंगे। उन्हें यही रोजगार मिलेगा। तेजस्वी यादव ने जो नौकरियां, दी थी वैसे ही फिर से नौकरियां मिलेंगी। यह जनता को आज भी याद है। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था, भाजपा सभी का अपमान करती है। क्या जनता के वोट चोरी करना अपमान नहीं है। भाजपा को अमेरिका के राष्ट्रपति से नाराज होना चाहिए। उन्होंने कहा राज्य से तीन तिगाड़ा, भाजपा, राजद और अफसरों की सरकार की तिकड़ी को जनता तोड़ेगी और इन्हें बाहर का रास्ता दिखाएगी।

हत्या, लूट, रंगदारी और गैंगवार की राजधानी बनी दिल्ली: आतिशी

» आप का भाजपा और सीएम रेखा गुप्ता पर सीधा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कालकाजी मंदिर के सेवादार की बेरहमी से हत्या के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीधा हमला बोला है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने सीएम को चिट्ठी लिखकर इस्तीफे की मांग की और कहा कि दिल्ली अब हत्या, लूट, रंगदारी और गैंगवार की राजधानी बन चुकी है जबकि पुलिस बदमाशों के सामने बौनी साबित हो रही है।

बदमाशों को पुलिस का कोई डर नहीं है क्योंकि भाजपा की चार इंजन सरकार नाकाम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि शनिवार को ही एक प्रॉपर्टी डीलर के घर पर 5 करोड़ की रंगदारी न देने पर फायरिंग हुई। अगस्त में लगातार कई बड़ी वारदातें सामने आई हैं जैसे मैदानगढ़ी में ट्रिपल मर्डर, अभिनेत्री हुमा कुरैशी के कजिन असीफ कुरैशी की निज़ामुद्दीन में हत्या और आईपी एक्सटेंशन में लूट के दौरान चाकूबाजी। आतिशी ने आरोप लगाया कि हालात इतने खराब हैं कि खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी हाल में हमला हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली पुलिस पर भी निशाना साधा और कहा कि बड़े अधिकारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को साहब कहकर संबोधित कर रहे हैं। इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि बदमाशों के सामने पुलिस झुक चुकी है।

बसपा ने बिहार विस चुनाव के लिए कसी कमर

मायावती ने आकाश आनंद और रामजी गौतम को सौंपी चुनाव की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार विस चुनाव के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। पार्टीकी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम तथा स्टेट यूनिट को सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के चयन और तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों के दौरान की गई बैठक में गहन चर्चा व समीक्षा के बाद यह निर्देश दिए। साथ ही बिहार में बसपा द्वारा अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को सारी कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश भी दिया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है, इस लिए वहां की जरूरतों के दृष्टिगत राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए बसपा द्वारा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों और वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के बाबत दिए लक्ष्यों की भी समीक्षा की।

बिजली उपभोक्ताओं को लूट रही दिल्ली सरकार : देवेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रेखा गुप्ता सरकार पर बिजली उपभोक्ताओं को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली खरीद समायोजन लागत (पीपीएसी) शुल्क में बिना अनुमति वृद्धि की छूट देकर डिस्कॉम को फायदा पहुंचा रही है। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने पीपीएसी बढ़ोतरी के लिए 24 सितंबर तक आपत्तियां मांगी हैं लेकिन देवेंद्र यादव ने इसे औपचारिकता बताया है।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मार्च में बिजली मंत्री आशीष सूद ने विधानसभा में 27,000 करोड़ के कर्ज का हवाला देकर बिजली दरें बढ़ने की बात कही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पहले आप सरकार के पीपीएसी बढ़ोतरी का विरोध करती थी लेकिन अब खुद डिस्कॉम को खुली छूट दे रही है। कोयले और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के नाम पर बिजली बिल बढ़ाए जा रहे हैं लेकिन कीमतें घटने पर जनता को राहत नहीं मिलती। यादव ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार डिस्कॉम और तेल कंपनियों के हित में काम कर रही है।

धरातल में रुपया, आसमान पे सपने

बेराजगारी, महंगाई चरम पर, 88 के निचले स्तर पर पहुंचा रुपया

» ऐसे तो बन चुके विश्वगुरू!

» रुपया क्रैश, चरमरा गयी अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रूपया 62 से छलांग लगा कर अपने अभीतक के निम्नस्तर 88 के नीचे पहुंच चुका है। पीएम मोदी जो वर्ष 2014 में रुपये की गिरावट को प्रधानमंत्री की कमजोरी मानते थे आज 2025 में उस स्थिति में खड़े हो गये हैं जहां रूपया 88 के स्तर से भी नीचे चला गया है। रूपये का यह पतन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि आम आदमी की जेब पर सीधा वार है।

पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेंडर, खाने-पीने का सामान, दवाइयाँ और इलेक्ट्रॉनिक सामान सबकुछ महंगा हो चुका है। जब डॉलर मजबूत और रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा होता है और इसका सीधा बोझ उपभोक्ता पर पड़ता है। सवाल यह उठता है कि जिस अच्छे दिन की गारंटी देकर पीएम मोदी सत्ता में आए थे उस गारंटी का क्या हुआ? नोटबंदी, जीएसटी और अब बढ़ती महँगाई इन सबने मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था का क्या बैंड बजा दिया है?

पीएम मनमोहन की अक्षमता से जोड़ते थे पीएम मोदी

वर्ष 2013-14 में जब रूपये के कमजोर होने की खबरें टीवी पर चलती थी तब पीएम मोदी इसे सीधे तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह की कमजोरी से जोड़ देते थे। वर्ष 2414 में डॉलर के मुकाबले रूपया 60-62 के बीच घूम रहा था। उस दौर में वैश्विक मंदी का असर था लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था 6 से 7 फीसदी की दर से बढ़ रही थी। उस समय बिहार के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी जो प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे लगातार गिरते रूपये को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अक्षमता से जोड़ते थे। मोदी कहते थे कि प्रधानमंत्री कमजोर हैं इसलिए रूपया गिर रहा है। गुजरात में रैलियों से लेकर टीवी इंटरव्यू तक वह हर जगह यही संदेश देते थे कि अगर वे सत्ता में आए तो रुपया मजबूत होगा।

कैसे मजबूत होगा रुपया?

रुपये को मजबूत करने के लिए केवल भाषण और जुमले नहीं बल्कि ठोस नीतियाँ चाहिए। रूपये को मजबूत करने के लिए सबसे पहले छोटे और मझोले उद्योगों को आसान कर्ज और टैक्स में राहत देनी होगी ताकि वे फिर से खड़े हो सकें। उसके बाद आयात पर निर्भरता घटानी होगी। खासकर तेल और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी है। वहीं रोजगार सृजन पर भी ध्यान केन्द्रित करना होगा जब लोगों की आय बढ़ेगी खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इससे विदेशी निवेशक भी भरोसा करेंगे। सबसे जरूरी है कि सरकार को अपना घाटा कम करना होगा और अनावश्यक खर्चों से बचना होगा। भारत को अपनी विदेश ?नीति में स्थिरता लानी होगी और ऐसे विवादों से बचना होगा जो व्यापारिक रिश्तों को नुकसान पहुँचाते हैं।

टैरिफ का असर या राजनीति

रुपया कमजोर होने के कई कारण हैं, लेकिन मूल बात यह है कि सरकार की आर्थिक नीतियाँ विदेशी और घरेलू दोनों स्तर पर भरोसा पैदा करने में असफल रही हैं। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी तक का टैरिफ लगाया। इससे भारतीय निर्यात महँगा हो गया और विदेशी पूंजी का बहिर्गमन तेज हो गया। विदेशी निवेशक अपने पैसे निकालकर सुरक्षित बाजारों की ओर चले गए। नोटबंदी और जीएसटी के झटके से छोटे उद्योग अभी तक उबर नही पाये हैं। रोजगार घटा, खपत कम हुई और उत्पादन धीमा पड़ा। जब अर्थव्यवस्था की जड़ें कमजोर होंगी तो रुपया भी कमजोर होगा। इसके अतिरिक्त भारत कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रक्षा उपकरण जैसी जरूरी चीजों के लिए आयात पर निर्भर है। तेल के दाम बढ़ने से डॉलर की मांग बढ़ जाती है और रूपया और गिर जाता है। यही नहीं सरकार का राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ रहा है। बड़े-बड़े वादों और योजनाओं के लिए सरकार ने भारी कर्ज लिया है। विदेशी एजेंसियों के लिए यह संकेत है कि भारत की आर्थिक स्थिति अस्थिर है।

राहुल गांधी ने आम को बनाया खास

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ रही भीड़

» मखाना किसानों से लेकर आम लोगों से जुड़ रहे नेता प्रतिपक्ष

» विस चुनावों में दिखेगा इन मुलाकातों का असर

» वंचित वर्ग की वोट पर कांग्रेस की नजर

» 2020 में कांग्रेस ने 70 में से 32 सीटें सवर्णों को दीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ बिहार की जनता जुड़ती जा रही है। उनके साथ उमड़ रही भीड़ को देखकर भाजपा की बैचैन हो गई । उसने अब राहुल को घेरने के लिए कइ हथकंडे अपनाने शुरू कर दिये है। उधर राहुल भी आम आदमी के बीच कभी मोटर साइकिल पर बैठकर तरे कभी मखाना की करने वालों के बीच जाकर उनसे अपने को जोड़ रहे हैं। अब आने वाले चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा कि इसका लाभ कांग्रेस या इंडिया गठबंधन को कितना मिलता है।

बता दे यात्रा के दौरान कटिहार में राहुल गांधी ने मखाना की खेती करने वाले किसानों से बहुत आत्मीय मुलाकात की। खेती को समझने के लिए घुटनों तक पतलून मोड़ कर पानी में उतरे। किसानों से बात की। उनका हालचाल जाना। फिर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी- बड़े शहरों में हजार, दो हजार रुपये किलो बिकता है। लेकिन मेहनतकश मजदूरों को नाम मात्र का दाम मिलता है। कौन हैं ये किसान- मजदूर अतिपिछड़े, दलित, बहुजन। पूरी मेहनत इन 99 प्रतिशत बहुजनों की और फायदा सिर्फ 1 प्रतिशत। बात तो बिल्कुल वाजिब है। लेकिन क्या राहुल गांधी सचमुच अतिपिछड़ों और दलित समुदाय के हिमायती है?

चुनाव में नेता बहुजन हितों की बात तो करते हैं हैं लेकिन जब कुछ करने का वक्त आता है तो ऐसा करने से मुकर जाते हैं। जैसे 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इन 70 में 32 सीटों पर उसने अगड़े उम्मीदवारों को उतारा था। आप भाषणों में 'बहुजन' की बात करते हैं लेकिन टिकट लेने में बाजी मार जाते हैं 'कमजन'। अगर बहुजनों की राजनीतिक भागीदारी नहीं बढ़ेगी तो फिर उन्हें उनका हक कैसे मिलेगा। क्या बहुजन सिर्फ वोट बैंक हैं? मीठी-मीठी बातों से भावनाओं को जगाइए और वोट ले उड़िए। वैसे तो सवर्णों की पार्टी, भाजपा मानी जाती है। लेकिन कांग्रेस भी उससे कम नहीं है। 2020 में सबसे अधिक भाजपा ने 50 सवर्णों को टिकट दिये थे। दूसरे नम्बर पर कांग्रेस (32) ही थी। तब फिर कांग्रेस को भी अगड़ों की पार्टी क्यों न माना जाए?

गलती सुधारने की कोशिश

पिछली गलतियों से सबक लेकर राहुल गांधी अब दलित वोटरों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। वे लगातार बिहार की यात्रा कर अपनी खोई जमीन को वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। इस साल जनवरी लेकर जून तक पिछले चार दौरों में राहुल गांधी ने दलित समुदाय से सीधा संवाद किया और उनके साथ अपनी प्रतिबद्धता जतायी। दलित पहले कांग्रेस के ही कोर वोटर थे। बिहार में जैसे-जैसे कांग्रेस कमजोर होती गयी उसका आधार मत बिखरता चला गया। राहुल गांधी इसी बिखरे वोटरों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। समानता और न्याय का संदेश देने के लिए उन्होंने पटना में फिल्म 'फुले' देखी थी। इस दौरान उनके साथ दलित समुदाय के कई नेता भी थे। ये फिल्म महान समाजसुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले के जीवन पर बनी है। राहुल गांधी दलितों में कांग्रेस के प्रति भरोसा पैदा करने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। इसी नजरिये से बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर एक सवर्ण को हटा कर दलित नेता राजेश राम को बैठाया गया है।

कांग्रेस 38 रिजर्व सीटों में से 14 लड़ी, जिसमें 9 पर हारी

बिहार विधानसभा में कुल 38 सीटें रिजर्व हैं। 36 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजति के लिए। अनुसूचित जाति की 36 सुरक्षित सीटों में से 13 पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। इनमें से केवल 4 पर ही उसे जीत मिल पायी। यानी राजद और भाकपा माले के समर्थन के बाद भी कांग्रेस को दलित वर्ग का समर्थन नहीं मिला पाया। उसे सिंकदरा, राजगीर, रोसड़ा, सकरा, रामनगर, बथनाहा, कुशेश्वर स्थान, सोनबरसा और कोढ़ा में हार झेलनी पड़ी। जो उसने चार सीटें जीती थीं वे है राजापाकर, राजपुर, चेनारी और कुटुम्बा। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कुटुम्बा से ही जीते हैं। कांग्रेस को मनिहारी की एसटी सीट भी मिली थी। यानी कुल 5 रिजर्व सीटें ही कांग्रेस के खाते में आयीं। दूसरी तरफ राजद ने अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व 8 सीटें जीतीं। भाकपा माले ने फुलवारीशरीफ, अगियांव और दरौली की सीट जीती। एससी/एसटी की 38 में से 10 सीटें जीत कर भाजपा सबसे आगे रही। वहीं जदयू ने भी इनमें 8 सीटें जीत लीं। 3 सीटें हम को मिलीं। यानी एनडीए ने 38 में 21 सीटें जीत कर यह साबित कर दिया था कि दलित समुदाय का सबसे अधिक समर्थन उसे ही हासिल है। अब राहुल गांधी इस राजनीतिक परिदृश्य को बदलना चाहते हैं।

कांग्रेस की हार से तेजस्वी नहीं बन पाए सीएम

लेकिन कांग्रेस के साथ एक बहुत बड़ी दिक्कत है। वह राजद और अन्य दलों से गठबंधन तो करती है लेकिन उसके पक्ष में दूसरे दलों का आधार मत ट्रांसफर नहीं हो पाता। इसकी वजह से उसका स्ट्राइक रेट बहुत गिर जाता है। 2020 के चुनाव में कांग्रेस को 70 सीटों का हिस्सा मिला था लेकिन उसे विजय मिली केवल 19 सीटों पर। अगर कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया होता तो पिछले चुनाव में ही तेजस्वी मुख्यमंत्री बन गये होते। उसने 2015 के 27 सीटों का प्रदर्शन भी दोहरा दिया होता तो सत्ता महागठबंधन को मिल सकती थी। बाद में राजद के शीर्ष नेताओं ने कहा था कि कांग्रेस को 70 सीटें देना बहुत बड़ी भूल थी। उसके पास जिताऊ प्रत्याशी नहीं थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खेलों से 'खेल' न किया जाए, प्रोत्साहन मिले

"सरकारें अपने स्तर पर कई योजनाएं भी लातीं हैं जिससे उसका लाभ खिलाड़ियों को मिले। हालांकि कभी-कभी खिलाड़ी अपनी मेहनत से सब पा तो लेतें हैं पर सरकारी तंत्र की लापरवाही से उनको नुकसान भी उठाना पड़ता है। कभी खेलों में संघों द्वारा शोषण भी किया जाता है।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। पूरे देश में इस मौके पर विभिन्न आयोजन होते हैं। कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता है तो कुछ प्रशिक्षकों का सम्मान किया जाता है। सरकारें अपने स्तर पर कई योजनाएं भी लातीं हैं जिससे उसका लाभ खिलाड़ियों को मिले। हालांकि कभी-कभी खिलाड़ी अपनी मेहनत से सब पा तो लेतें हैं पर सरकारी तंत्र की लापरवाही से उनको नुकसान भी उठाना पड़ता है। कभी खेलों में संघों द्वारा शोषण भी किया जाता है। चूंकि खेल संघों से बड़े-बड़े नेता या नौकरशाह जुड़े होते हैं तो उनकी आवाज को अनसुना भी कर दिया जाता है। मान लीजिए कोई हिम्मत करके उठ भी जाता है तो उसे इतने कमेटियों के जाल में फंसा दिया जाता है कि वह या तो टूट जाता है खेल से से अपने को अलग करके नई राह पकड़ लेता हैं। ये भी देखने कोमिलता है कि विभिन्न कारणों से प्रदेशों में खेल का माहौल और खिलाड़ियों की संख्या घटती जा रही है। नये राज्यों में ये दिक्कत ज्यादा देखने को मिल रही है।

हालांकि झारखंड, उत्तराखंड व तेलंगाना कुछ कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ इस वर्ष राज्य गठन की रजत जयंती मनाने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ ही बनाए गए दो और राज्यों उत्तराखंड व झारखंड को अगर हम देखें तो वहां खेल व खिलाड़ियों के लिए काफी काम हुआ है। उन दोनों राज्यों से विभिन्न खेलों के ओलंपियन निकले हैं। तो सवाल यह उठता है कि छत्तीसगढ़ में ऐसी क्या कमी रह जा रही है जो हम इन 25 वर्षों में एक भी ओलंपियन देश को नहीं दे सके। इसके जवाब में यह सामने आ रहा है कि छत्तीसगढ़ में खेलों की अधोसंरचना की कोई कमी नहीं है। राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल अकादमियां भी खुल रही हैं। लेकिन खेल विभाग के पास खेलों को लेकर कोई समुचित योजना ही नहीं है। साथ ही एक तथ्य और जो प्रमुखता से सामने आ रहा है, वह है कि खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों की आर्थिक सुरक्षा, प्रोत्साहन व नौकरी नहीं होने से उनमें निराशा का माहौल है। उनकी ऐसी स्थिति को देखते हुए नई पौध आगे नहीं आ पा रही है, नए खिलाड़ियों को यहां भविष्य सुनहरा नजर नहीं आता जैसे दूसरे राज्यों में है। हमारे कुछ उत्कृष्ट खिलाड़ी दूसरे राज्यों में खेल का भविष्य देखते हुए पलायन भी कर चुके हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रदेश सरकार संकल्प ले कि वह खिलाड़ियों-प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही इनके लिए ठोस नीति बनाकर नौकरी देकर उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी। सरकार के इस महती कदम से ही छत्तीसगढ़ खेल मैदान में दमखम दिखाकर चमक सकेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आपदा में जिंदगियां बचाने वाले जांबाज

मधुरेंद्र सिन्हा

इस समय देश के हिमालयी क्षेत्रों में भयंकर प्राकृतिक आपदा आई हुई है। कहीं भूस्खलन तो कहीं बादल फटना। दर्जनों लोग काल कवलित हो गये हैं और हजारों मकान तथा दर्जनों बस्तियां दब गई हैं। हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में प्रकृति का प्रकोप कुछ ज्यादा ही है। इन राज्यों में तुरंत राहत की व्यवस्था करना बेहद कठिन है क्योंकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना ही बेहद कठिन होता है। रास्ते कट जाते हैं, पहाड़ी नदियां उफन जाती हैं और आस-पास से कोई मदद नहीं मिल पाती है। लेकिन अब जिस तरह से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल यानी एनडीआरएफ समर्पित भाव से उन इलाकों में राहत कार्य करने में जुटा हुआ है उसे देखकर आशा की किरण जाग उठी है। इस बल का गठन ही प्राकृतिक आपदाओं और खतरनाक परिस्थितियों से निबटने के लिए किया गया था। पिछले पांच-छह वर्षों में इसने जबर्दस्त तरीके से काम किया और लोगों में इतना विश्वास पैदा कर दिया कि अब विपदा आते ही इसे बुलाया जाता है और इसके जवान तुरंत आकर राहत कार्यों में लग जाते हैं।

इनकी ट्रेनिंग ही ऐसी है कि ये कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी काम करते हैं। लेकिन उससे भी बड़ी बात है इनका समर्पण भाव। इस समय इनकी टुकड़ियां न केवल हिमाचल, उत्तराखंड में राहत कार्य में दिन-रात जुटी हुई हैं बल्कि बिहार की बाढ़ में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसने अब तक डेढ़ लाख लोगों की जान बचाई है और लाखों फंसे लोगों को निकाला है। गृह मंत्रालय ने इसे पूरी तरह से साजो सामान से लैस कर दिया है जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मंत्रालय ने 2024-25 में एसडीआरएफ के लिए 20,264 करोड़ रुपये आवंटित किये और एनडीआरएफ के लिए 5,160 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। जिसके परिणाम देखने में आ रहे हैं। मार्च, 2021 में एक नया अलर्ट सिस्टम जारी किया गया जिससे अब संगठन पहले ही खतरे की संभावना बता देता है जिससे लोग सावधान हो जायें। इसका उदाहरण है कि इसने अब तक 631.1 करोड़ अलर्ट मैसेज भेजे हैं और बेशकीमती जिंदगियां बचाई हैं। इसका कार्य सिर्फ भारत ही नहीं था बल्कि विदेशों में भी रहा।

हमने देखा कि कैसे तुर्की में इसने समर्पित भाव से इंसानियत की रक्षा की। केवल एनडीआरएफ ही नहीं बल्कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, कोस्ट गार्ड को पूरी शक्तियां दीं बल्कि संसाधन तथा पूरे कानूनी अधिकार भी दिये। इसके ठोस परिणाम साफ दिखाई दे रहे हैं। कश्मीर में सुरक्षा बलों की त्वरित और दीर्घकालीन कार्रवाई से 2019 से 2025 तक के बीच हिंसक घटनाओं में 2004-09 के बीच बड़ी कमी आई है। कश्मीर के अलावा मध्य तथा पूर्व भारत में नक्सली हिंसा पर लगाम तो लगी ही है, उनके बड़े लीडर या तो मारे गये हैं या समर्पण कर चुके हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2009 से 2024 के बीच नक्सली हिंसा की वजह से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। नक्सलियों के खिलाफ अर्ध सैनिक बलों का अभियान इस समय इतना जबर्दस्त है कि देश के छह जिले ही अब नक्सल हिंसा से प्रभावित रह गये हैं। दावा है कि जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जायेगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गये हैं और 6,983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है।

इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाये जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं। इसके लिए एनआईए का दायरा बढ़ाया गया है और कानून भी सख्त किये गये हैं। लेकिन सिर्फ सख्ती या सुरक्षा बलों की ताकत से कई बार समस्याएं नहीं सुलझती हैं और इसलिए गृह मंत्रालय राज्यों के साथ मिलकर विकास तथा पुनर्वास की कई योजनाओं पर काम कर रहा है। विकास एक ऐसा माध्यम है जिससे हिंसा तथा अराजकता पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर पूर्वोत्तर के राज्यों में कई योजनाएं बनाई गई हैं। वहां शांति प्रक्रिया के तहत छह वर्षों में 12 शांति समझौते हुए जिस कारण से स्थिति में अभूतपूर्व सुधार आया।

वहां अफस्पा को तेजी से हटाया जा रहा है और दो राज्यों त्रिपुरा तथा मेघालय में यह पूरी तरह से हटा दिया गया है तथा अन्य राज्यों के थोड़े से हिस्से में ही यह लागू है। साइबर क्राइम देश के सामने एक चुनौती की तरह है और इसका मुकाबला आसान नहीं था लेकिन गृह मंत्रालय को नोडल एजेंसी बनाकर इस दिशा में सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (14सी) बनाया गया है। यह साइबर क्राइम से निबटने के लिए आधुनिकतम टेक्नोलॉजी से लैस है और इसने इन अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है और अभी भी कर रहा है। साइबर क्राइम के अलावा देश में ड्रग्स के खतरों के खिलाफ कई कदम उठाये गये हैं जिनमें काफी सफलता मिली है।

बचपन-सेहत लीलता बढ़ता हुआ स्क्रीन समय

क्षमा शर्मा

नौ साल के एक बच्चे की अचानक भूख कम हो गई। उसने खेलना छोड़ दिया। स्कूल का होमवर्क बंद कर दिया। रात भर सोता भी नहीं था। बस मोबाइल देखता रहता, स्कूल भी नहीं जाना चाहता था। उसके नम्बर भी बहुत कम आ रहे थे। जब माता-पिता ने डाक्टर से सलाह ली और डाक्टर ने उसका स्क्रीन टाइम कम करने को कहा तो माता-पिता ने उससे मोबाइल ले लिया। बच्चे को इस बात पर इतना गुस्सा आया कि चाकू से उसने अपने हाथ की नस काट डाली। जब उसे अस्पताल में दाखिल कराया तो उसमें गहरे अवसाद के लक्षण भी पाए गए। यह अवसाद स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण हुआ था। इलाज से धीरे-धीरे उसका मूड ठीक हुआ। नींद आने लगी। अपने स्कूल के कामों में भी मन लगाने लगा। ऐसे ही एक दूसरे मामले में पंद्रह साल की एक बच्ची जो हमेशा अपनी कक्षा में टॉप करती थी, लेकिन धीरे-धीरे उसने पढ़ना-लिखना, दोस्तों से मिलना सब छोड़ दिया।

रात में तीन, चार बजे तक वीडियो देखती रहती। उसे लगातार स्क्रीन देखने के कारण गम्भीर अनिद्रा रोग हो गया था। इसी तरह तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला एक बच्चा छोटी-छोटी बात पर गुस्से से भर जाता। चीजों को तोड़ने-फोड़ने लगता। गालियां देने लगता। उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां तक कि उसका स्कूल भी बदलना पड़ा। डाक्टरों ने जब इलाज के दौरान माता-पिता से बातचीत की तो पता चला कि मां हर समय वीडियो और रील्स बनाने में व्यस्त रहती थी। उन्नीस साल का एक लड़का बारह-बारह घंटे मोबाइल गेम खेलता था। साल भर तक वह ऐसा ही करता रहा। उसने किसी से बातचीत करना, बाहर जाना, लोगों से मिलना-जुलना सब कुछ छोड़ दिया था। हर वक्त बैठे रहने से उसकी रीढ़ की हड्डी में समस्या हो गई। दूसरी समस्याएं भी आ गईं। जैसे कि वह जहां, तहां मूत्र विसर्जित कर देता। जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, वह ठीक से चल भी नहीं सकता था। उसकी रीढ़ की हड्डी का मुश्किल भरा आपरेशन करना पड़ा।

ये सारे आंकड़े महानगर के हैं, कल्पना कीजिए कि हमारे देश के दूर-दराज के इलाकों में क्या होता होगा, क्योंकि गांवों में भी मोबाइल पर समय बिताने का एडिक्शन बढ़ता जा रहा है। वहां तो महानगरों जैसी चिकित्सा सुविधाएं भी मौजूद नहीं हैं। इस लेखिका ने कुछ साल पहले अपने गांव में देखा था कि वहां लोग अपने आसपास वालों से भी बातें नहीं करते। वे गांव जहां चौपाल संस्कृति थी, लोग एक-दूसरे से मिलते, जुलते थे, बातचीत करते थे, सुख-दुःख पूछते थे, वह संस्कृति गायब हो गई है। पहले इसका बड़ा हिस्सा टीवी ने गायब किया और अब मोबाइल ने तो जैसे सर्वनाश ही कर दिया। बच्चों, किशोरों में बढ़ती स्क्रीन टाइम की समस्या से पूरा विश्व परेशान है। आस्ट्रेलिया ने तो सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए मोबाइल रखना भी बैन कर दिया है। बहुत से दूसरे देश भी ऐसा ही करने की सोच रहे हैं।

स्वीडन में डेढ़ दशक पहले किताबों को स्कूलों से बिल्कुल गायब कर दिया था। छोटी से छोटी कक्षा का बच्चा स्क्रीन से ही पढ़ रहा था। लेकिन वहां पाया गया कि इससे बच्चों में नया कुछ सीखने की क्षमता घट रही थी। वे आंखों से लेकर शरीर के अन्य तमाम अंगों के रोगों के शिकार भी हो रहे थे। उनका गुस्सा बढ़ रहा था । वे हिंसक हो रहे थे। अंततः स्वीडन ने स्कूलों में स्क्रीन को बैन कर दिया। अब वहां किताबों की वापसी हो रही है। बच्चे सिर्फ किताबों से ही पढ़ेंगे। स्वीडन ने सुधारा, बाकी देश कब सुधारेंगे, वक्त बताएगा। अपने देश में तो हाल यह है कि अधिकांश दल अपने-अपने घोषणा पत्रों में बच्चों को लैपटॉप और मोबाइल देने की बातें करते हैं। कभी चुनाव हारने-जीतने के मुकाबले दलों को बच्चों और देश के भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए। हद तो ये है कि माता-पिता अपने शिशुओं के हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं और बहुत गौरव से वीडियो और रील बनाते है। बताते हैं कि उनका तो इतना छोटा बच्चा ही मोबाइल चलाना जानता है। ऊपर जिन केसेज का जिक्र किया गया है, वे मनोवैज्ञानिक और डाक्टरों द्वारा ही बताए गए हैं। कुछ माह पहले अपने एक परिचित मनोवैज्ञानिक से मिलने गई थी। उनका क्लीनिक दक्षिण दिल्ली के एक बहुत पाश इलाके में है। वहां बैठकर उनका इंतजार कर रही थी। ये मित्र कुछ उम्र दराज हैं। एक दूसरे डाक्टर बहुत युवा हैं।

उनके पास बहुत छोटे बच्चे भी आते हैं। जब रिसेप्शनिस्ट से पूछा कि क्या यहां बहुत छोटे बच्चे भी आते हैं। तो उन्होंने कहा कि हां आठ साल तक के बच्चे आते हैं। कितने पूछने पर कहा कि खूब आते हैं। यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। चिकित्सकों का यह भी मानना है कि ऐसे बच्चों में आत्महत्या के विचार भी तेजी से आते हैं। इसलिए इनके बदले व्यवहार से सावधान रहना चाहिए। चिकित्सकों से भी जरूरी सलाह लेनी चाहिए। बच्चों को डिजिटली परेशान भी किया जाता है। कई बच्चों ने स्कूलों में अपनी कहानी बताई भी थी। बहुत से स्कूल मोबाइल फोन्स पर रोक लगा चुके हैं मगर इससे भी समस्या सुलझती नहीं है क्योंकि स्कूल घरों की निगरानी तो कर नहीं सकते कि बच्चे वहां क्या कर रहे हैं। यह काम तो माता-पिता तथा अन्य परिजनों का है। इसी साल फरवरी में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि स्कूलों में मोबाइल फोन को बैन नहीं किया जा सकता। हां स्कूलों को यह प्रविधि विकसित करनी चाहिए कि वे बच्चों को बताएं कि वे कैसे सही तरीके से इस्तेमाल करें।

दांतों की कैविटी से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू उपाय

दांतों में कैविटी, जिसे हम अक्सर दंत क्षय के नाम से भी जानते हैं, एक बेहद आम समस्या है। दांतों में सड़न बच्चों से लेकर बूढ़ों तक किसी को भी प्रभावित कर सकती है। दांतों में कैविटी होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे अधिक चीनी युक्त भोजन लेना और खराब मौखिक स्वच्छता रखना आदि। दांतों में कैविटी होने की वजह से न सिर्फ दांतों में दर्द होता है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के खान-पान में दांतों से चबाने में परेशानी होती है। यदि इस पर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो कैविटी धीरे-धीरे बढ़ सकती है और दांतों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार तो स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि दांत को उखाड़ना पड़ता है। खैर, अगर आप भी दांतों की कैविटी से परेशान हैं तो, इसकी रोकथाम और उसके शुरुआती प्रभावों को कम करने के लिए कुछ प्रभावी घरेलू उपाय से ठीक कर सकते हैं।

लौंग का तेल

लौंग का तेल दांतों के दर्द और कैविटी के लिए प्राकृतिक उपचार है। इसमें यूजेनॉल होता है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। एक रुई के टुकड़े पर 2-3 बूंद लौंग का तेल लगाएं और प्रभावित दांत पर हल्के से मलें। दिन में एक बार यह उपाय दर्द और बैक्टीरिया को कम करता है।

हल्दी का उपयोग

हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। यह कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करता है और मसूड़ों को स्वस्थ रखता है। एक चुटकी हल्दी पाउडर को उंगली या टूथब्रश पर लेकर दांतों और मसूड़ों पर हल्के से मलें। 2-3 मिनट बाद पानी से कुल्ला करें। सप्ताह में 2-3 बार यह उपाय करें। हल्दी दांतों की सफेदी भी बढ़ाती है और प्लाक को कम करती है।

नारियल तेल से ऑयल पुलिंग

ऑयल पुलिंग एक प्राचीन आयुर्वेदिक उपाय है, जो कैविटी और मुंह के बैक्टीरिया को कम करता है। यदि कोई सुबह खाली पेट एक चम्मच नारियल तेल को मुंह में 10-15 मिनट तक घुमाएं और फिर थूक दें। इसके बाद गुनगुने पानी से कुल्ला करें। नारियल तेल में लॉरिक एसिड होता है, जो बैक्टीरिया और प्लाक को हटाता है। यह दांतों को मजबूत करता है और कैविटी को रोकता है। वहीं अगर आप दांतों की कैविटी से अधिक परेशान हैं तो दांत के डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

नमक के पानी से कुल्ला

नमक में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को कम करते हैं और कैविटी को बढ़ने से रोकते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक मिलाएं और दिन में दो बार कुल्ला करें। यह दांतों में फंसे खाद्य कणों को हटाता है और मसूड़ों की सूजन को कम करता है। यह उपाय कैविटी के शुरुआती चरण में विशेष रूप से प्रभावी हो सकता है। लेकिन यदि समस्या ज्यादा हो तो आपको डाक्टर से मिलना चाहिए ।

हंसना मना है

मैडम क्लास का ग्रुप फोटो बच्चों को दिखाकर बोली- जब तुम बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे। ये रहा राजू जो अमेरिका चला गया, ये रहा रवि जो लंदन चला गया, और ये रहा रलदू जो यहीं का यही रह गया, ये बात सुनकर रलदू बोला- और ये रही हमारी मैडम जिनका देहांत हो गया, ठोको ताली।

मम्मी- तुम्हारे लिए लड़का देखने जा रही हूं उससे कुछ कहना है? लड़की- उससे बोल देना के बेड के नजदीक वाला चार्जिंग पॉइंट मेरा रहेगा?

जमीदार- मेरी इतनी जमीन है कि मैं अपनी कार पर निकलूं तो शाम तक आधी जमीन पर पहुंचता हूं। पठान- हाथ मिलाओ, हमारे पास भी पहले ऐसी ही 'खटारा' कार थी।

एक दो बादाम खा कर गणित के पूरे फार्मूला याद थे। अब मुट्ठी भर खाते है फिर भी बीवी का जन्मदिन याद नहीं रहता। लगता है बादाम नकली आने लगा है?

एक सलाम उन काकी और भाभियों को भी? जो दुल्हन की करतूतें जानते हुये भी बिदाई के समय दुल्हे को कहना नहीं भूलती, लड़की बहुत सीधी है, इससे कोई गलती हो जाये तो माफ कर देना इसे।

कहानी | सूरदास जी की गुरु भक्ति

आखिर सूर के जीवन की शाम ढल आई। सूर गोवर्धन से नीचे उतरकर घाटी में आ गए और आखिरी सांसे लेने लगे। उधर श्री वल्लभाचार्य जी के सुपुत्र गोस्वामी विटठलनाथ जी ने अपने सभी गुरु-भाइयों और शिष्यो के बीच डुगडुगी बजवा दी- भगवद मार्ग का जहाज अब जाना चाहता है। जिसने आखिरी बार दर्शन करना है, कर लो। समाचार मिलते ही जनसमूह सूर की कुटिया तक उमड़ पड़ा। जिसने अपने कंठ की वीणा को झनका-झनका कर प्रभु-मिलन के गीत सुनाए, आज उसी से बिछुड़ने की बेला थी। भक्त-हृदय भावुक हो उठे थे। बहुत संभालने पर भी सैकड़ों आंखों से रुलाइयां फूट रही थी। इसी बीच गुरूभाई चतुर्भुजदास जी ने सूर से एक प्रश्न किया: देव, एक जिज्ञासा है। शमन करे। सूरदास जी: कहो भाई। चतुर्भुजदास जी: देव, आप जीवन भर कृष्ण-माधुरी छलकाते रहे। कृष्ण प्रेम में पद रचे, कृष्ण-धुन में ही मंजीरे खनकाए। कृष्ण-कृष्ण करते-करते आप कृष्णमय हो गए। परन्तु... सूरदास जी: परन्तु क्या, चतुर्भुज..? चतुर्भुजदास जी- ..परन्तु आपने अपने और हम सबके गुरुदेव श्री वल्लभाचार्य जी के विषय में तो कुछ कहा ही नहीं। गुरू-महिमा में तो पद ही नहीं रचे। यह सुनकर सूर सरसीली सी आवाज में बोले: अलग पद तो मैं तब रचता, जब मैं गुरुवर और कृष्ण में कोई भेद मानता। मेरी दृष्टि में तो स्वयं कृष्ण ही मुझे कृष्ण से मिलाने वल्लभ बनकर आए थे। ऐसा कहते ही सूर ने आखिरी सांस भरी और जीवन का आखिरी पद गुना। उनकी आंखे वल्लभ-मूर्ति के चरणों में गड़ी थी और वे कह रहे थे। भरोसो द्रढ इन चरनन केरौ, श्री वल्लभ नखचन्द्र छटा बिनु-सब जग मांझ अन्धेरो । साधन और नहीं या कलि में जासो होत निबेरौ। सूर कहा कहै द्विविध आंधरौ बिना मोल के चेरौ।। मुझे केवल एक आस, एक विश्वास, एक द्रढ भरोसा रहा-और वह इन(गुरू) चरणों का ही रहा। श्री वल्लभ न आते, तो सूर सूर न होता। उनके श्री नखों की चांदनी छटा के बिना मेरा सारा संसार घोर अंधेरे में समाया रहता। मेरे भाइयों, इस कलीकाल में पूर्ण गुरू के बिना कोई साधन, कोई चारा नहीं, जिसके द्वारा जीवन-नौका पार लग सके। सूर आज अंतिम घड़ी में कहता है कि मेरे जीवन का बाहरी और भीतरी दोनों तरह का अंधेरा मेरे गुरू वल्लभ ने ही हरा। वरना मेरी क्या बिसात थी। मैं तो उनका बिना मोल का चेरा भर रहा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन

भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

कर्क

जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

कन्या

नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें।

तुला

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक

यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मकर

निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन

थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री के बड़े लोग क्रू मेंबर्स का करते हैं अपमान : नवीन

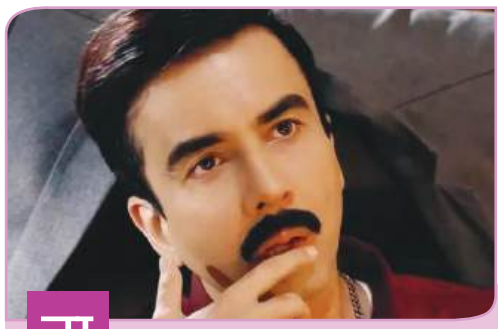

हाल ही में जियो हॉटस्टार की सीरीज 'सलाकार' में नजर आए अभिनेता नवीन कस्तूरिया अब ओटीटी की दुनिया का एक जाना-पहचाना नाम हैं। इस दौरान नवीन ने कई बॉलीवुड स्टार्स और सीनियर लोगों के साथ भी काम किया है और उन्हें सेट पर देखा है। अब नवीन ने इंडस्ट्री में बड़े पदों पर बैठे कुछ सीनियर लोगों के बारे में बात की और बताया कि किस तरह से ये सीनियर लोग सेट पर क्रू मेंबर्स के साथ व्यवहार करते हैं। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में नवीन ने बॉलीवुड में हेरारिकी को लेकर महत्व दिए जाने पर बात की। उन्होंने कहा, कभी-कभी फिल्म सेट पर इंडस्ट्री में बहुत ऊंचे पद पर बैठा व्यक्ति क्रू मेंबर्स से बहुत अपमानजनक तरीके से बात करता है। मुझे लगता है कि भारत में यह एक समस्या है। कई बार अगर आप मुंबई में देखें, तो जब आप किसी सोसाइटी में जाते हैं तो गार्ड खड़ा हो जाता है। यह कैसी संस्कृति है? गार्ड अपना काम करने के लिए होता है, लेकिन असल में क्या हो रहा है? मुझे लगता है कि शुरुआत में किसी नाराज महिला को बुरा लगा होगा क्योंकि उनके अंदर आने पर गार्ड खड़ा नहीं हुआ था। उसने उसे डांटा होगा और तब से समाज में यह धारणा स्थापित हो गई है कि खड़े होना जरूरी है। एक्टर ने आगे कहा कि बुनियादी स्तर पर लोग हर किसी का सम्मान नहीं करते। अक्सर अगर किसी को लगता है कि कोई दूसरा कम कमाता है, तो वे उसके साथ अनादर से बात करते हैं। मुझे लगता है कि यह पूरे देश में एक समस्या है। लेकिन जब ये लोग बाहर शूटिंग के लिए जाते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि वे वहां जूनियर कलाकारों या क्रू मेंबर्स से उसी तरह बात नहीं कर सकते। बाहर सभी का सम्मान होता है और वे किसी जी हुजूरी की संस्कृति की उम्मीद नहीं करते। नवीन का मानना है कि भारत में लोग अक्सर इस बात पर ध्यान देते हैं कि कौन बड़ा है या छोटा। यह फिल्म के सेट पर दिखाई देता है। मुझे लगता है कि किसी को भी दूसरों का अनादर करने, चिल्लाने या गाली देने का अधिकार नहीं है। दुर्भाग्य से फिल्म के सेट पर ऐसा बहुत होता है और यह बहुत गलत है।

12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी जुगनुमा

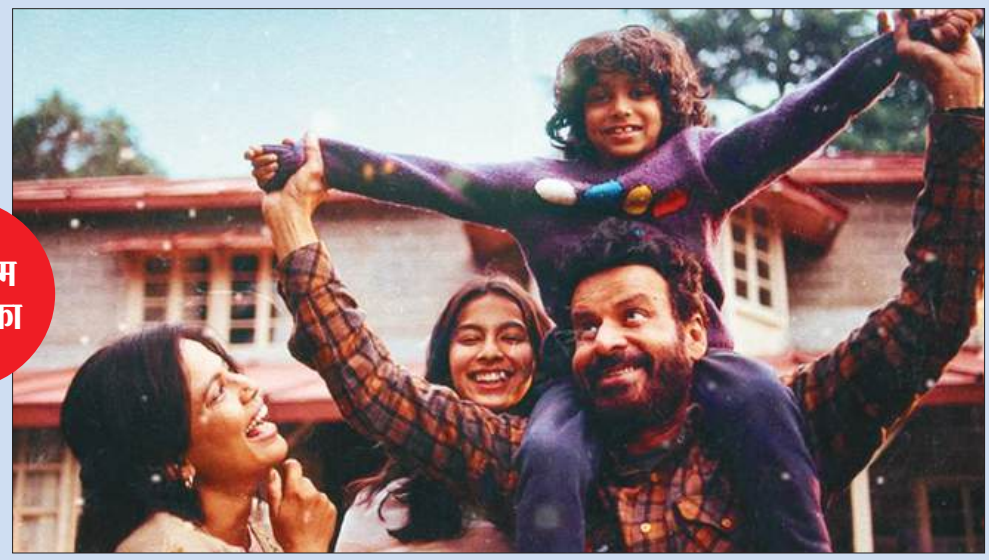

रिलीज हुआ फिल्म जुगनुमा का ट्रेलर

शनिवार को दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म जुगनुमा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में 80 के दशक की कहानी दिखाई गई है। इसमें दिखाया गया है कि पहाड़ों पर लगी आग ने कैसे फसलों को बर्बाद किया और हंसते-खेलते लोगों को परेशान कर दिया। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी इस बात की खोज करते हैं कि आग कैसे लगी।

फिल्म जुगनुमा एक जादुई फिक्शनल ड्रामा है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि मनोज बाजपेयी और उनका परिवार पहाड़ों पर खुशहाली की जिंदगी गुजारता है। पहाड़ों पर बागों में अच्छी फसल होती है, जिससे लोगों के घर चलते हैं। हालांकि यह खुशहाली बहुत दिनों तक नहीं रही।

ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि बागों में दवा डाली जाती है ताकि फसल अच्छी हो। हालांकि मनोज बाजपेयी को दवाओं से डर लगता है। इसके बाद मनोज बाजपेयी को एक महिला बताती है कि नए लोग उसके घर की तरफ देख रहे थे। इसके बाद मनोज बाजपेयी को रात में फोन आता है और वह परेशान हो जाते हैं।

इतने में मनोज बाजपेयी की बेटी दौड़ते हुए कहीं से आती है और वह उनको बताती है कि बागों में आग लगी है। आग की वजह से फसल बर्बाद हो जाती है। ऐसे में मनोज बाजपेयी को लगता है कि कोई उनसे बदला ले रहा है। अधिकारी मनोज बाजपेयी को बताते हैं कि यह मामला बहुत गंभीर है। ऐसे में मनोज बाजपेयी कहते हैं कि कोई मुझे कुछ बताना चाहता है? क्या किसी को मुझसे कुछ चाहिए?

फिल्म जुगनुमा 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन राम रेड्डी ने किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, हिरल सिद्धू, तिलोत्तमा शोम जैसे कई कलाकार हैं।

निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और अनुराग कश्यप इस फिल्म से बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं।

कंगना दो फिल्मों से फिर बनेंगी बॉलीवुड की 'क्वीन'

कंगना रनौत बॉलीवुड का एक जाना-माना नाम हैं। उनकी फिल्मों से ज्यादा फैंस उनके अंदाज के कायल हैं। कंगना को हमेशा से ही बॉलीवुड के डार्क सीक्रेट्स को रिवील करने वाली और साथ ही एक वॉरियर की तरह उन्हें हमेशा अपनी बातों को खुलकर बोलने के लिए जाना जाता है। कंगना ने बीते सालों में अपनी एक अलग छवी बना ली है, जिससे उनके फैंस काफी रिलेट करते हैं।

हालांकि, फैंस एक्ट्रेस कंगना को भी काफी मिस करते हैं। कंगना ना सिर्फ एक एक्ट्रेस हैं, बल्कि वो एक राजनेता भी हैं। वो मंडी से बीजेपी की सांसद हैं, ऐसे में उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां भी हैं। हालांकि, एक सांसद होने के बावजूद कंगना का फिल्मों को लेकर प्यार आज भी जग जाहिर है। उनको लास्ट इमरजेंसी फिल्म में देखा गया था, जहां उन्होंने देश की पूर्व प्रधानमंत्री लेट श्री इंदिरा गांधी का किरदार अदा किया था। फिल्म को मिक्स्ड रिव्यूज मिले थे। कंगना को फैंस एक बार फिर से स्क्रीन पर देखना चाहते हैं और अब लगता है कि उनकी ये मुराद जल्द ही पूरी होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, कंगना अपने करियर की दो सबसे सफल फिल्मों के सीक्वल के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती हैं। खबर है कि कंगना 'तनू वेड्स मनू 3' के लिए आनंद एल राय और 'क्वीन 2' के लिए विकास बहल के साथ बातचीत कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, क्वीन 2 की शूटिंग आने वाले नवंबर से शुरू हो सकती है, जहां कंगना को एक बार फिर से रानी के अवतार में देखा जाएगा।

जल्द शुरू होगी फिल्मों की शूटिंग

क्वीन के डायरेक्टर ने इसके सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट भी लॉक कर ली है और वो फिलहाल शूटिंग लोकेशंस ढूंढने के लिए यूके में हैं। पहले पार्ट की तरह ही इस बार भी क्वीन ना सिर्फ इंडिया बल्कि ओवरसीज शूट की जाएगी।

अजब-गजब | आज भी इसकी गलियों में बसती हैं अतीत की कहानियां

ये है भारत की पहली स्मार्ट सिटी, अंग्रेजों ने कराया था निर्माण

देश में स्मार्ट सिटी योजना की शुरूआत साल 2015 में की गई थी। इस मिशन का मकसद है बड़े शहरों को ऐसा बनाना, जहां अच्छी सड़कें, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं हों। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश की पहली स्मार्ट सिटी अंग्रेजों के जमाने में ही बसाई गई थी? आइए जानते हैं, आखिर यह स्मार्ट सिटी कहां है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले की नौगांव सिटी जिसे ब्रिटिश शासन के समय बुंदेलखंड की धड़कन माना जाता था और आज भी इसकी गलियों में अतीत की कहानियां बसती हैं। जिले की 180 साल पुरानी छावनी, नौगांव, केवल ईंट-पत्थरों का नगर नहीं है। यह एक ऐसा शहर है, जिसमें संघर्ष, योजना और सांस्कृतिक वैभव की झलक आज भी दिखाई देती है।

नौगांव की नींव 1842 में रखी गई थी। उस समय अंग्रेजी हुकूमत ने बुंदेलखंड की स्वतंत्रता को दबाने और जैतपुर के महाराजा परीक्षित को हराने की योजना बनाई। राजा परीक्षित ने अंग्रेजों से कई बार लड़ाई लड़ी और उनके पास एक खास तोप थी, जिसे नागफनी कहा जाता था। राजा परीक्षित ने नागफनी तोप से अंग्रेजों की कैथा चौकी को तबाह कर दिया। बौखलाए अंग्रेजों ने नौगांव को अपना बेस बनाया। सैनिकों के तंबुओं से शुरू हुई यह छावनी धीरे-धीरे एक खूबसूरत नगर में बदल गई। अंग्रेजों ने इसे केवल सैन्य केंद्र तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे योजनाबद्ध

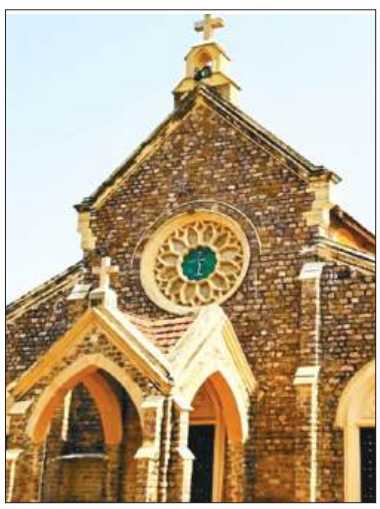

तरीके से आधुनिक और सुविधाजनक बनाया।

नौगांव में 192 चौराहों और आपस में जुड़ी सड़कों का जाल आज भी शहर की खास पहचान है। इसे कभी मिनी चंडीगढ़ कहा गया। ब्रिटिशों ने इसे बसाने के लिए देशभर से व्यापारियों, कारीगरों और विभिन्न पेशों के लोगों को बुलाया। ग्वाले दूध देने आए, दर्जी कपड़े सिलने और अन्य व्यापारियों ने शहर की जरूरतें पूरी की।

यह नगर केवल स्मार्ट सिटी ही नहीं, बल्कि ब्रिटिशकालीन बुंदेलखंड के 36 रियासतों का राजनीतिक केंद्र भी था। पन्ना, अजयगढ़, चरखारी, दतिया और ओरछा जैसी रियासतों के प्रशासनिक कामकाज यहीं से चलते थे। रियासतों के राजाओं के ठहरने के लिए 36 भव्य बंगले बनाए गए, जो शाही वैभव का प्रतीक थे। 15 अगस्त 1947 को भारत के स्वतंत्र होने के बाद नौगांव ने एक नया अध्याय लिखा। यह विंध्य प्रदेश की राजधानी बना और कामता प्रसाद सक्सेना पहले मुख्यमंत्री बने। हालांकि बाद में राजधानी का स्थानांतरण हुआ, लेकिन नौगांव ने प्रशासन, राजनीति और संस्कृति के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी।

आज भी शहर में ब्रिटिशकालीन कई धरोहरें मौजूद हैं। 1969 में बने आर्मी चर्च अब भी भारतीय सेना के अधीन हैं। पुरानी जेल और काल कोठरी आज भी अतीत की कठोर सच्चाई दिखाती हैं। रियासत कालीन सचिवालय, हाईकोर्ट और गवर्मेंट प्रेस जैसी इमारतें अब सरकारी कार्यालय और स्कूल बन चुकी हैं, लेकिन उनकी दीवारों में इतिहास की गूंज आज भी सुनाई देती है। इतिहासकारों का मानना है कि नौगांव आज की स्मार्ट सिटी की सोच से भी आगे थी। 1842 से ही इसे योजनाबद्ध तरीके से बसाया गया था। राजा परीक्षित की बहादुरी, अंग्रेजों की योजनाएं और यहां के लोगों की मेहनत ने इसे केवल एक नगर नहीं, बल्कि बुंदेलखंड की पहचान बना दिया।

पूर्णिया के इस शख्स की सुरक्षा में तीर धनुष लेकर तैनात रहते हैं सुरक्षा कर्मी

आज के दौर में जहां लोग अपनी सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक हथियारों, जैसे एके-47 या राइफल से लैस सुरक्षाकर्मी रखते हैं, वहीं पूर्णिया में एक शख्स ऐसा भी है जिसकी सुरक्षा तीर-धनुष से की जाती है। यह अपने आप में एक अनोखा नजारा है, जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। पूर्णिया के खुशकीबाग, कप्तानपाड़ा में रहने वाले अशोक ठाकुर की सुरक्षा आदिवासी समुदाय के लोग करते हैं। अशोक खुद को आदिवासी समुदाय का मसीहा बताते हैं, जो उनके लिए जीवनभर मानवसेवा करने का संकल्प ले चुके हैं। अशोक ठाकुर आदिवासी कल्याण समिति के सदस्य हैं। वे लंबे समय से आदिवासी और अन्य गरीब व पिछड़े समुदाय के लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। वे हर शनिवार को अपने घर पर एक 'जनता दरबार' लगाते हैं, जहां लोग अपनी जमीन से जुड़ी और अन्य समस्याओं को लेकर आते हैं। चूंकि आदिवासी समुदाय के लोग अक्सर कम पढ़े-लिखे होते हैं, उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कोर्ट-कचहरी और थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें न्याय नहीं मिल पाता ।ऐसे में अशोक ठाकुर का यह जनता दरबार उनके लिए एक आशा की किरण बन गया है। जब लोकल18 ने अशोक ठाकुर से इस अनोखी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि यह आदिवासी समुदाय के लोगों का उनके प्रति प्यार और सम्मान है। वे कहते हैं, मैं उनकी आवाज बुलंद करता हूं, इसलिए आदिवासी समुदाय के लोग अपनी खुशी से मेरी सुरक्षा के लिए तीर-धनुष लेकर खड़े रहते हैं। ये सुरक्षाकर्मी बिना किसी शुल्क के अपनी मर्जी से उनकी पहरेदारी करते हैं। अशोक ठाकुर की सुरक्षा करने वाले गंगा उरांव और सुखदेव उरांव जैसे लोग बताते हैं कि वे अपनी मर्जी से हर जनता दरबार के दिन उनकी सुरक्षा करते हैं। जब तक यह कार्यक्रम चलता है, वे पूरी तरह से चौकन्ने रहते हैं। वे कहते हैं कि अशोक ठाकुर ने उनकी बहुत मदद की है, और वे उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। जनता दरबार में आए अन्य लोग भी बताते हैं कि उन्हें अशोक ठाकुर से न्याय और मदद मिलती है। अशोक ठाकुर कहते हैं कि जब तक उनकी जान है, वे गरीब और लाचार लोगों की मदद करते रहेंगे। यह कहानी दर्शाती है कि समाजसेवा और निस्वार्थ प्रेम किसी भी आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था से कहीं ज्यादा शक्तिशाली हो सकता है।

सीएम मेरी हत्या करवाना चाहते हैं : पटवारी

» मध्य प्रदेश में बढ़ते नशे को लेकर पीसीसी अध्यक्ष का मोहन सरकार पर प्रहार

राहुल की इमेज खराब करने के लिए खर्च किए 20 हजार करोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रतलाम। कांग्रेस ने मप्र के कई जिलों में वोट चोर-गद्दी छोड़ जनसर्मथन रैली निकाली। इस रैली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। आमसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि वे नशा, भ्रष्टाचार, बेरोजागारी के खिलाफ और किसानों के हितों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन पर हमले कराए जा रहे हैं। वे नशे के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं, इसलिए मुख्यमंत्री मोहन यादव उनकी हत्या करारा चाहते हैं। पूरा प्रदेश नशे की चपेट मे हैं। ये मैं नहीं कह रहा प्रधानमंत्री की रिपोर्ट कह रही है। नशा का कारोबार करने वालों की तस्वीरें भी कई बार भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के साथ सामने आई हैं। पटवारी ने कहा कि नशे में कई परिवारों के बच्चे ग्रसित होते हैं।

उनके माता-पिता पर क्या बीतती है। मैंने कहा कि मुख्यमंत्री नशे पर अंकुश के लिए ध्यान दो, मैंने क्या गलत कहा।

उन्होंने कहा कि भाजपा व आरएसएस को लोग कहते हैं कि देश बचाओ, स्वदेशी अपनाओ, प्रधानमंत्री स्वयं विदेशी वस्तुओं और कपड़े इस्तेमाल करते हैं। यह है भाजपा की नीति। राहुल गांधी की इमेज खराब करने के लिए भाजपा ने 20 हजार करोड़ रुपये सोशल मीडिया पर खर्च किए। पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष हर्ष विजय गेहलोत ने भी सभा को संबोधित किया। स्वागत भाषण शहर कांग्रेस अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा ने दिया। आमसभा के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भाजपा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में नशा बढ़ गया है, भाजपा के लोग नशा बेचने में लिप्त हो गए हैं। भाजपा व भाजपा के परिवार वालों की हर नशे से सलंग्नता है, वो चाहे शराब की दुकान हों, किसी भी शहर में देखोंगे तो पीछे से पार्टनरशिप भाजपा के नेताओं की रहती है। चाहे किसी भी प्रकार का नशा हो, उसके पीछे भाजपा का सरगना होता है। अपने मध्यप्रदेश को हम सबको बचाना है। हमारी युवा पीढ़ी नशे में ग्रसित होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रिपोर्ट है कि नए बच्चे शराब ज्यादा पीते हैं। सबसे ज्यादा शराब की खपत मध्यप्रदेश में हो गई है।

भाजपा के लोग नशा बेचने में लिप्त

टैरिफ से प्रभावित उद्योगों को सब्सिडी और कर में छूट दी जाए : दीपेंद्र हुड्डा

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ की मार और भाजपा सरकार की कमजोरी से हरियाणा के उद्योगों पर भयंकर चोट पड़ी है। राज्य में अमेरिकी टैरिफ हमले से हजारों करोड़ रुपये के एक्सपोर्ट आधारित उद्योगों पर तालाबंदी और इनसे जुड़े लाखों कामगारों के रोजगार पर खतरे के काले बादल मंडरा रहे हैं। हुड्डा ने सरकार से मांग की है कि अमेरिकी टैरिफ हमले से प्रभावित उद्योगों को विशेष सब्सिडी और कर छूट दी जाएं और निर्यातकों के लिए आपात पैकेज की घोषणा करें। हुड्डा ने कहा कि टैरिफ का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव पानीपत के कपड़ा उद्योग पर पड़ेगा। पानीपत से अमेरिका को हर साल करीब 12000 करोड़ रुपये का निर्यात होता है। टैरिफ के बाद लगभग एक तिहाई ऑर्डर अटक गए हैं। क्रिसमस सीजन पर 1,500 करोड़ का निर्यात होता है। पानीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मानेसर प्रमुख गारमेंट और टेक्सटाइल हब हैं जहां हजारों एक्सपोर्ट यूनिट्स में लाखों लोग काम करते हैं।

हुड्डा की भाजपा के साथ सांठगांठ : अभय चौटाला

भिवानी। इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा से सांठगांठ कर उनकी सरकार बनाने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश में भाजपा के खिलाफ लहर थी, लेकिन हुड्डा ने कई हलकों में कांग्रेस के बागी निर्दलीय उम्मीदवार खड़े करवाकर भाजपा को फायदा पहुंचाया। अभय चौटाला पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के जन्मदिवस 25 सितंबर पर रोहतक में होने वाली रैली का निमंत्रण देने के लिए तोशाम स्थित पंजाबी धर्मशाला पहुंचे थे। अभय चौटाला ने कहा कि उचाना हलके से बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेन्द्र सिंह चुनाव लड़ रहे थे। उनसे खतरा महसूस कर हुड्डा ने वहां भी बागी उम्मीदवार खड़े करवाए, जिसके चलते वह बहुत कम अंतर से हार गए। चौटाला ने आरोप लगाया कि हुड्डा भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान सत्ता में बैठे लोगों ने दवाइयों में घोटाले किए। सत्ता में रहकर कई बड़े घोटाले हुए, जिससे जनता का विश्वास उठ गया और लोगों ने तय कर लिया कि इन्हें सत्ता से बाहर करना है। उन्होंने दोहराया कि हुड्डा बाप-बेटे ने षड्यंत्र के तहत भाजपा की सरकार बनाने का काम किया है। इस मौके पर जिला प्रधान अशोक ढाणीमाहू, सुनील लांबा, मास्टर नरेंद्र वर्मा, सरोज श्योराण, विजेंद्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

रोहित ब्रोंको और यो-यो टेस्ट पास

» एशिया कप से पहले गिल-बुमराह और जितेश भी फिट घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 से पहले अपनी फिटनेस परीक्षा में शानदार नतीजे दिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित फिटनेस कैंप के दौरान ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट पास कर सभी को प्रभावित किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी शारीरिक बनावट और स्टैमिना में काफी सुधार देखने को मिला और कोचिंग स्टाफ उनके प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट नजर आया।

रोहित भारतीय खिलाड़ी के रूप में केवल वनडे प्रारूप में ही सक्रिय हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए भी खेला था। हालिया रिपोर्ट और किए गए परीक्षण के परिणाम उनके लिए बड़ी राहत की बात होंगे। रोहित शर्मा के लिए आने वाला समय दिलचस्प है। सिर्फ रोहित ही नहीं, बल्कि शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह ने भी अपने-अपने टेस्ट पास किए। गिल ने आराम से न्यूनतम मानक हासिल किए, जबकि बुमराह ने चोट से उबरने के बाद अपनी लय और फिटनेस दोनों साबित की। खिलाड़ियों का DXA स्कैन भी हुआ जिसमें बॉडी कंपोजिशन और बोन स्ट्रेंथ की जांच की गई। गिल को आगामी एशिया कप के लिए उपकप्तान बनाया गया है। भारत के अन्य खिलाड़ियों में मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर ने भी यह टेस्ट बिना किसी दिक्कत के पूरा किया।

क्या है ब्रोंको टेस्ट

यह टेस्ट खिलाड़ियों की गति, स्टैमिना और एरोबिक क्षमता मापने के लिए इस्तेमाल होता है। इसमें खिलाड़ी को 20, 40 और 60 मीटर की दूरी लगातार दौड़कर तय करनी होती है और हर बार स्टार्टिंग लाइन पर लौटना होता है। यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है। इसे रग्बी से लिया गया है और क्रिकेटरों के लिए यह यो-यो टेस्ट का विकल्प माना जा रहा है।

इन खिलाड़ियों का नहीं हुआ टेस्ट

सभी खिलाड़ियों ने 30 और 31 अगस्त को हुए फिटनेस टेस्ट पास किए। वहीं एशिया कप टीम के अन्य सदस्य, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और रियान पराग (स्टैंडबाय) पहले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल खेल चुके थे, इसलिए उनके लिए अलग टेस्ट नहीं रखा गया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय सूची में हैं, ग्रोइन की समस्या के कारण क्वार्टरफाइनल से बाहर रहे। वह इस समय मेडिकल टीम की निगरानी में हैं।

पंजाब को आर्थिक मदद दे केंद्रः मान

» सीएम भगवंत मान ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब इन दिनों भयंकर बाढ़ की चपेट में है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण सतलुज, ब्यास, रावी नदी और अन्य मौसमी नालों में उफान का असर पंजाब में देखने को मिल रहा है। इसको लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मदद की अपील की है। सीएम मान ने अपने पत्र में लिखा कि पंजाब इस समय भीषण बाढ़ आपदा से जूझ रहा है, जिससे करीब एक हजार गांव और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। सीएम मान ने दावा किया कि केंद्र के पास राज्य के 60 हजार करोड़ रुपये की धनराशि लंबित है, जिसे जारी किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और वैट व्यवस्था से बदलाव के कारण राजस्व का स्थायी नुकसान 49 हजार 727 करोड़ रुपये है, जिसके लिए भारत सरकार ने कोई मुआवजा नहीं दिया है। इसके अलावा, ग्रामीण विकास निधि (आरडीएफ) और मंडी विकास निधि (एमडीएफ) में कमी के कारण पिछले कुछ साल में आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सीएम मान ने अपने पत्र में यह भी लिखा कि केंद्र ने हाल ही में पंजाब में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की 828 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को रद्द कर दिया है, जिससे राज्य की ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव पड़ सकता है।

अमित शाह ने सीएम मान और राज्यपाल कटारिया से की बात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात की तथा राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को मौजूदा स्थिति तथा प्रभावित लोगों के बचाव एवं राहत के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शाह ने बाढ़ से निपटने के लिए दोनों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। लगातार बारिश के कारण पंजाब के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य सरकार ने रविवार को स्कूलों को बंद रखने की अवधि तीन सितंबर तक बढ़ा दी।

केरल के सीएम विजयन ने हिमाचल से मांगी मदद

» बाढ़ में फंसे 18 पर्यटकों को बचाने के लिए सीएम सुक्खू से किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू से अनुरोध किया कि वह पहाड़ी राज्य में अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलन के कारण फंसे दक्षिणी राज्य के 18 पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने बताया कि कोच्चि की एक एजेंसी द्वारा आयोजित एक टूर का हिस्सा यह समूह हिमाचल प्रदेश के कल्पा में फंसा हुआ है।

विजयन ने हिमाचल सरकार से पर्यटकों को बचाने और उनकी सुरक्षित केरल वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। एक बयान के मुताबिक, केरल के अधिकारी इस प्रयास में समन्वय के लिए हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

अफगानिस्तान में कांपी धरती

भूकंप से भारी तबाही 800 लोगों की मौत 1100 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तान सीमा के पास आए एक शक्तिशाली भूकंप से कई गांवों को तबाह कर दिया है। इलाके में भारी नुकसान पहुंचा है। इस भूकंप में अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कम से कम 1100 अन्य घायल हुए हैं। खोज और बचाव दल के इलाके में पहुंचने के साथ ही मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप में कम से कम 810 लोग मारे गए और 1,100 घायल हुए हैं। इससे पहले गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि देर रात आए भूकंप में कुनार में 610 लोग मारे गए और 1,300 घायल हुए। कई घर तबाह हो गए हैं। कानी ने बताया कि नंगरहार में एक दर्जन लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए।

देर रात आए भूकंप

इससे पहले रविवार देर रात आए भूकंप ने पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों को बर्बाद कर दिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11:47 बजे आए 6.0 तीव्रता के भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। यह महज आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

व्यापारिक शहर जलालाबाद में ज्यादा बर्बादी

पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ अपनी निकटता और दोनों देशों के बीच एक प्रमुख सीमा पार होने के कारण जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर है। नगरपालिका के अनुसार इसकी आबादी लगभग 3,00,000 है, लेकिन इसका महानगरीय क्षेत्र कहीं अधिक बड़ा माना जाता है। इसकी अधिकांश इमारतें कम ऊंचाई वाली हैं, जो ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी हैं। इसके बाहरी इलाकों में मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घर हैं। कई घरों की गुणवत्ता घटिया है।

कुनार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि नूर गुल, सोकी, वातपुर, मनोगी और चापादारे जिलों में कम से कम 250 लोग मारे गए और 500 अन्य घायल हुए। जन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने कहा, बचाव अभियान अभी भी जारी है। कई गांव पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। शहीदों और घायलों के आंकड़े बदल रहे हैं। कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मौतों और घायलों की सूचना मिलने पर आंकड़ों में बदलाव की आशंका है।

बचाव अभियान अभी भी जारी

संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट ने दो हते के लिए बढ़ाई समयसीमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक राधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामी मस्जिद संभल की प्रबंधन समिति की ओर से दो अपीलें दायर की गई थीं, जिनका प्रतिनिधित्व इसके सचिव (पहली याचिका) और उपाध्यक्ष (दूसरी याचिका) कर रहे थे। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को मामले की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

मुकदमे में हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने यथास्थिति बढ़ाने का विरोध किया। हालांकि, मस्जिद प्रबंधन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक अवधि बढ़ाने की मांग की। शीर्ष अदालत इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ मस्जिद समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद में संभल की एक अदालत की ओर से दिए गए सर्वेक्षण के खिलाफ मस्जिद समिति की याचिका को खारिज कर दिया था और सर्वेक्षण के लिए सिविल अदालत के निर्देश को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश और मुकदमा विचारणीय है।

लगातार बारिश से प्रदेश में हालात बेहाल

बाढ़ के हालात से जनजीवन प्रभावित, 30 जिलों के लिए अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश में एक बार फिर तेजी नजर आने वाली है। आज के लिए मौसम विभाग ने प्रदेश के 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 29 अन्य जिलों में भारी बारिश की चेतावनी और 56 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी पाकिस्तान व उससे लगे पंजाब के ऊपरी क्षोभमंडल में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण के असर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इससे मानसूनी रेखा उत्तर की ओर खिसकी है। यही वजह है कि प्रदेश में 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान कहीं भारी तो कहीं अत्यधिक भारी बारिश की परिस्थितियां बनेंगी। रविवार को पश्चिमी- तराई के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर आदि में अच्छी बारिश हुई।

सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश का पूर्वानुमान

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया कि उत्तर प्रदेश में सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश के आसार हैं। यूपी समग्र रूप से बात करें तो अगस्त में सामान्य से 2 प्रतिशत अधिक बरसात हुई। क्षेत्रवार आंकड़ों की बात करें तो पश्चिमी यूपी में अगस्त में कुल 237.6 मिमी यानी सामान्य से 4 प्रतिशत अधिक और पूर्वी यूपी में 244 मिमी यानी सामान्य से 1 प्रतिशत अधिक बारिश हुई।

56 इंच सीने वाले नेता जी ने टेक दिए घुटने: जयराम

» शी जिनपिंग से मुलाकात को लेकर पीएम मोदी पर कांग्रेस का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के बाद सरकार पर हमला बोला और उस पर तथाकथित ड्रैगन के आगे कायरतापूर्ण घुटने टेकने और आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। पार्टी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान-चीन की जुगलबंदी पर मोदी की चुप्पी को भी राष्ट्र-विरोधी करार दिया।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत लंबे समय से चीन पर आतंकवाद पर दोहरे मानदंड और दोहरी बात का आरोप लगाता रहा है। जयराम रमेश एक्स पर लिखा कि लंबे समय से भारत, चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड और दोहरी भाषा अपनाने का आरोप लगाता रहा है। अब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से कहा कि भारत और चीन दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है? इससे भी ज्यादा राष्ट्र-विरोधी बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की जुगलबंदी के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में एक शब्द तक नहीं कहा –जबकि इसका खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था।

चीन को लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात

कांग्रेस नेता ने कहा कि स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके कायरतापूर्ण दंभ के लिए बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा। भारत और चीन ने रविवार को वैश्विक वाणिज्य को स्थिर करने के लिए व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दबावपूर्ण चुनौतियों से निपटने और गंभीर सीमा मुद्दे के निष्पक्ष समाधान की दिशा में काम करने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने पर सहमति व्यक्त की।

पीटर नवारो की 'ब्राह्मण' टिप्पणी पर कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो की भारत पर अमेरिकी टैरिफ को सही ठहराने के लिए की गई ब्राह्मण टिप्पणी की आलोचना की और इसे निराधार बताया। पवन खेड़ा ने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए।

शिमला में भूस्खलन बाप-बेटी की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश की वजह से जुन्गा तहसील में पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत में एक घर भूस्खलन की चपेट में आ गया। हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई है।

मृतक की पहचान वीरेंद्र कुमार (35), पुत्र जय सिंह निवासी पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत के रूप में हुई है। हादसे में उसकी 10 वर्षीय बेटी की भी मौत हो गई है। इसके साथ ही मवेशियों की भी मौत हो गई।

राजस्व निरीक्षक व लेखपालों का प्रदर्शन जारी

» फर्जी मुकदमा वापस लेने की मांग पर अड़ा लेखपाल संघ

» किसान थप्पड़ कांड में कार्रवाई से नाराज हैं कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले तो किसान को थप्पड़ मारा। अब खुद धरने पर बैठ गए हैं। नगर निगम मुख्यालय पर संपत्ति विभाग का धरना शुरू हो गया है। अधिकारी फर्जी एफआई के विरोध में लग गए हैं। इसी के मद्देनजर राजस्व निरीक्षक व लेखपालों का प्रदर्शन जारी है। सभी कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर डट गए हैं।

फर्जी मुकदमा वापस लेने और दोषियों पर कार्रवाई मांग उठी है। आंदोलन में प्रदेश के कई जिलों से कर्मचारी शामिल हुए हैं। यूपी चकबंदी लेखपाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष आलोक यादव इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

25 अगस्त को नायब तहसीलदार ने मारा था थप्पड़

25 अगस्त 2025 को सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मस्तेमऊ गांव में नगर निगम की टीम सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने गई थी। यह जमीन (खसरा नंबर 868, 0.152 हेक्टेयर) राजस्व रिकॉर्ड में खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज है और नगर निगम के अधीन है। जांच में राम मिलन नाम के व्यक्ति द्वारा 3000 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया।

नगर आयुक्त से मिले थे कर्मचारी

नगर निगम कर्मचारियों ने नगर आयुक्त गौरव कुमार से शनिवार को शिकायत सौंपी और एफआईआर रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि झूठा मुकदमा दर्ज होने से अतिक्रमण हटाने का काम मुश्किल हो जाएगा। कर्मचारी बोले, भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की सजा हमें मिल रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।